वन्य जीव विभाग ने प्रदेश में ''कैपटिव एनिमल स्पॉन्सरशिप स्कीम'' लागू की

इस स्कीम के तहत कोई भी व्यक्ति या संस्था वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकती है

कोटा, (निसं)। वन्य जीव विभाग ने राजस्थान में ''कैपटिव एनिमल स्पॉन्सरशिप स्कीम'' लागू की है, जिसके तहत पहली बार कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के वन्य जीव को एडॉप्ट किया गया है। इस स्कीम के तहत कोई भी व्यक्ति या संस्था वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकती है। यह समय सीमा कुछ दिन से लेकर एक साल तक की है या फिर इससे भी ज्यादा समय तक व्यक्ति किसी वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकता है। व्यक्ति या संस्था को एडॉप्ट किए गए वन्य जीव की देखरेख और भोजन के लिए होने वाले खर्च का भार उठाना होगा।

वन्य जीव विभाग के उपवन संरक्षक अनुराग भटनागर का कहना है कि राजस्थान में कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क ने ही इस स्कीम के तहत वन्य जीव एडॉप्ट की व्यवस्था की है। उन्होंने इसके लिए काफी मेहनत की और राज्य सरकार से अनुमति लेकर इसे लागू भी कर दिया है। एनटीपीसी अंता के परियोजना प्रमुख संजीव सक्सेना का कहना है कि उन्होंने 17 लाख की राशि देकर 1 साल के लिए 12 वन्य जीव को एडॉप्ट किया है। एनटीपीसी अंता ने सबसे पहले स्कीम के तहत 12 वन्य जिनमें एक टाईगर, चार पैंथर (दो नर व दो मादा), तीन हाईना (एक नर व दो मादा), तीन ब्लैक बक (एक नर व दो मादा) और एक सांभर शामिल है को एडॉप्ट किया है। हमने यह शुरुआत की है और दूसरे लोगों को भी यह प्रेरणा दे रहे हैं कि वह भी आगे आएं। उनका कहना है कि यह प्रकृति सभी लोगों के लिए बनी है लेकिन ध्यान केवल मनुष्य का रखा जाता है। यह वन्य जीव भी इस संसार और प्रकृति का ही हिस्सा है।

डीसीएफ अनुराग भटनागर के अनुसार स्कीम के तहत शेर, भालू, लोमड़ी, सियार, पैंथर, टाइगर, बंदर, हाईना से लेकर सरीसृप मगरमच्छ, अजगर और पक्षियों को एडॉप्ट किया जा सकेगा। इस स्कीम के तहत जोधपुर के माचिया, उदयपुर के सज्जनगढ़, कोटा के अभेड़ा, जयपुर के नाहरगढ़ व बीकानेर मरुधरा बायोलॉजिकल पार्क शामिल है। इस तरह की स्कीम

- **स्कीम के तहत पहली बार कोटा के अभेड़ा बायो लॉजिकल पार्क के वन्य जीव को एडॉप्ट किया गया**

पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में चल रही है। डीसीएफ अनुराग भटनागर का कहना है कि जरूरी नहीं है कि 1 साल के लिए ही वन्य जीव को एडॉप्ट किया जाए। उसे कुछ दिन के लिए भी एडॉप्ट किया जा सकता है। इसकी पूरी कार्य योजना बनाई गई है जिसके अनुसार व्यक्ति 5 दिन या 10 दिन के लिए भी वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकता है। इसमें उनके कुछ हजार रुपए खर्च होंगे। वह जिस जानवर को एडॉप्ट करना चाहता है उसके सालाना खर्च के अनुसार तय किए दिन का पैसा लिया जा सकता है। भटनागर का कहना है कि सरकार से गाईडलाईन को अनुमोदित करवाया गया है। इसी के अनुसार उसे स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल प्रोसीजर (एसओपी) के अनुसार कार्य किया।

अनुराग भटनागर का कहना है कि इसके तहत जनसहभागिता को प्रोत्साहन देना है और एंक्लोजर में बंद वन्य जीव का देखभाल सुनिश्चित करना है। इससे वन्य जीव विभाग पर भार भी कम होगा। लोगों का कनेक्शन बढ़ने से बायोलॉजिकल पार्क में फुटफॉल भी बढ़ेगा। इसके बाद इन जू और बायोलॉजिकल पार्क में सुविधा भी विकसित होने लगेगी क्योंकि वन्य जीव की देखभाल में होने वाले खर्चे की फॉरेस्ट विभाग को बचत होगी और यह पैसा सुविधा विकसित करने में खर्च होगा। वन्य जीव के देखभाल के साथ-साथ उसके भोजन, सफाई, नियमित स्वास्थ्य जांच और अन्य खर्च को शामिल किया जाएगा। स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत वन्यजीव को घर नहीं ले जा सकेंगे। साथ ही छूने, खिलाने, संभालने, खेलने व एंक्लोजर में जाने की अनुमति नहीं होगी। स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत व्यक्ति को वन्य जीव विभाग के जरिए आई कार्ड जारी कर दिया जाएगा। प्रायोजक अपने परिवार या जानकार पांच व्यक्तियों के साथ बायोलॉजिकल पार्क में निशुल्क प्रवेश ले सकेंगे। स्पॉन्सरशिप लेने वाली संस्था या व्यक्ति नाम एडॉप्ट किए गए वन्य जीव के एंक्लोजर के बाहर प्रदर्शित किया जाएगा। इस स्कीम के तहत दी गई राशि आयकर अधिनियम की धारा 80-जी के तहत कर मुक्त होगी। स्पॉन्सरशिप लेने वाले व्यक्ति को बायोलॉजिकल पार्क के कई आयोजन में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। अनुराग भटनागर के अनुसार व्यक्ति इसके लिए वन्य जीव विभाग में आकर आवेदन कर सकता है। इसके साथ ही बायोलॉजिकल पार्क के इंचार्ज को भी वह फॉर्म जमा कर सकता है जिस पर निर्णय मुख्य वन्य जीव संरक्षक लेंगे। मुख्य वन्य जीव संरक्षक के अनुशंसा के बाद सदस्यता स्वीकृत हो जाएगी। इसके बाद एडॉप्ट वाली संस्था और व्यक्ति को भुगतान करना होगा।

दुकान में आग लगी, हादसे के दौरान पास की दुकानों में थे 108 सिलेंडर

बीकानेर, (निसं)। करणी औद्योगिक क्षेत्र में लगी आग बड़े हादसे में तब्दील हो सकती थी। गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। ये आग आसपास की दुकानों तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो जाता।

जानकारी के अनुसार आग वाली दुकान के पास ही दो दुकानों में 108 सिलेंडर रखे हुए थे। आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड टीम को पास की दुकानों में सिलेंडर होने की सूचना मिली थी, जिस पर रसद विभाग को सूचना दी गई। मोबाइल की दुकान में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर फटने से आग लगी। इसकी सूचना मिलने के बाद आग बुझाने फायर ऑफिसर पहुंचे तो उन्हें वहां आसपास बड़ी संख्या में अवैध गैस सिलेंडर मिले। रसद विभाग ने फायर ऑफिसर की सूचना पर सिलेंडर जब्त किए। आग बुझाने पहुंची टीम के फायर ऑफिसर ने रसद विभाग के प्रवर्तन निरीक्षक प्रखर भार्गव को दूरभाष पर सूचित किया।

- **गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया**
- **मोबाइल की दुकान में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई थी**

रसद विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। तब तक फायर ऑफिसर की अगुवाई में फटे कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आग पर काबू पा लिया गया था। उसी दुकान में एक घरेलू गैस सिलेंडर भी था। इस दौरान वहां एक व्यक्ति पहुंचा और उसने बताया कि वह दुकान उसकी है, लेकिन वह वहां से भाग गया।

स्थानीय लोगों से वहां दो अन्य संदिग्ध दुकानों में अवैध गैस सिलेंडर होने की जानकारी मिली तो प्रवर्तन अधिकारी ने मुक्ता प्रसाद नगर पुलिस को मौके पर बुलाया। इसके बाद पुलिस की उपस्थिति में दो संदिग्ध दुकानों के ताले तोड़े गए। एक दुकान में 23 और दूसरी में 77 घरेलू सिलेंडर मिले। इसके अलावा छह कमर्शियल सिलेंडर भी थे। इस प्रकार इन 106 सिलेंडर मिले। वहीं एक फटा हुआ कमर्शियल और एक घरेलू सिलेंडर सहित कुल 108 गैस सिलेंडर जब्त करते हुए उन्हें एक गैस गोदाम में सुरक्षित रखवाया गया है।

इतनी बड़ी मात्रा में अवैध सिलेंडर रखे हुए थे लेकिन रसद विभाग को इस बारे में कोई सूचना नहीं थी। आसपास के दुकानदारों ने ही फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी थी, जिसके बाद पुलिस और रसद विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ये दुकानें मुक्ता प्रसाद नगर थाने से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर है। पुलिस को भी खबर नहीं लगी कि यहां अवैध रूप से इतनी बड़ी संख्या में सिलेंडर रखे हुए हैं।

गांव बल्लाना में सरकारी बोरिंग का पानी खेतों में, लोग प्यासे

अलवर, (निसं)। अलवर के मालाखेड़ा क्षेत्र में केसरपुर ग्राम पंचायत के गांव बल्लाना में सरकारी बोरिंग के पानी से खेतों में सिंचाई हो रही है। वहीं गांव के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। महिला-पुरुषों ने सरपंच

- **महिला-पुरुषों ने सरपंच पर सरकारी बोरिंग का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए**
- **जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए बोरिंग का पानी ग्रामीणों तक सुचारू रूप से नहीं पहुंच रहा है**

पर सरकारी बोरिंग का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए हैं।

गांव की महिलाओं ने कहा कि हमारे घरों में पीने को पानी नहीं आ रहा है। सरपंच व उनके लोग खेतों में सरकारी बोरिंग से सिंचाई करने में लगे हैं। शिकायत के बाद भी किसी सरकारी अधिकारी ने

वार्ड पंच सहित कई ग्रामीणों ने प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

सुध नहीं ली है। ग्राम पंचायत केसरपुर के गांव बल्लाना में जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए बोरिंग का पानी ग्रामीणों तक सुचारू रूप से नहीं पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि वार्ड 4 में एक वर्ष से पेयजल की भारी किल्लत है। वहीं बोरवेल से निकलने वाला पानी कथित रूप से सिंचाई में उपयोग किया जा रहा है। वार्ड पंच रहिसन बानो ने बताया कि सरपंच प्रतिनिधि तिग्गू व उमरदीन के खेती में सिंचाई के लिए पानी का उपयोग किए जाने से ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने इसे केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना का दुरुपयोग बताया।

वहीं जलदाय विभाग के सहायक अभियंता भगवान सहाय ने कहा कि यह योजना सिंचाई के लिए नहीं, बल्कि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए है। यदि किसी भी प्रकार की शिकायत मेरे पास आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में वार्ड पंच रहीसन बानो, हसीना बानो, हंसीरा, अशरफी, संजू, अकबर, रमजान, अंजन, मौसम सहित कई ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

गांव राठीखेड़ा में प्रस्तावित 400 करोड़ की एथेनॉल फैक्टरी फिर विवादों में

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के टिब्बी क्षेत्र के गांव राठीखेड़ा में प्रस्तावित 400 करोड़ की एथेनॉल फैक्टरी एक बार फिर विवादों में है। फैक्टरी बंद करने की मांग को लेकर पिछले डेढ़ साल से किसान व ग्रामीण धरना दे रहे हैं। आज किसानों का गुस्सा उस समय भड़क उठा, जब पुलिस ने सुबह-सुबह करीब एक दर्जन आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद पूरे इलाके में हिंसक माहौल बन गया गया और राठी खेड़ा गांव छावनी में तब्दील हो गया।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसान नेता महंगा सिंह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें महंगा सिंह एक गाड़ी में अपने साथियों के साथ पुलिस से बचकर भाग रहे हैं। महंगा सिंह और उनके साथियों के पीछे पुलिस के गाड़ियां लगी हुई है।

- **फैक्टरी बंद करने की मांग को लेकर पिछले डेढ़ साल से किसान व ग्रामीण धरना दे रहे हैं**
- **किसान आक्रोशित हुये, जब पुलिस ने सुबह करीब एक दर्जन आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया**
- **राठीखेड़ा गांव में 12 थानों की पुलिस तैनात, विधायक अभिमन्यु पूनिया ने गिरफ्तारी दी, 15 किलोमीटर दायरे में इंटरनेट सेवाएं बंद**

इसमें महंगा सिंह कह रहे हैं कि अगर एक्सीडेंट में उनकी जान चली गई तो जिला व पुलिस प्रशासन इसका जिम्मेदार होगा।

स्थानीय प्रशासन व पुलिस ने किसानों के इस विरोध को कुचलने के लिए राठी खेड़ा के 15 किलोमीटर दायरे में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह बंद कर दी गई हैं। बाहर से आने वाले रास्तों पर पुलिस ने नाके लगा दिए हैं, ताकि दूसरे गांवों के किसान यहां न पहुंच सके। टिब्बी सहित आस-पास के थानों की पूरी फोर्स सड़कों पर उतर आई है। बीकानेर और श्रीगंगानगर से आरएसी व क्यूआरटी की टीमें भी बुला ली गई हैं। राठीखेड़ा गांव छावनी में तब्दील हो चुका है।

मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदीलाल मीणा, एएसपी जनेश तंवर, संगरिया एसडीएम जय कौशिक, हनुमानगढ़ एसडीएम मांगीलाल सुथार, टिब्बी एसडीएम सत्यनारायण सुधार, रावतसर एसडीएम संजय जिंदल, नायब तहसीलदार सूर्यदेव स्वामी समेत तमाम आला अधिकारी राठीखेड़ा में ही डटे हैं। पुलिस का कहना है फिलहाल स्थिति काबू में है।

वहीं मामले को लेकर किसानों का कहना है कि फैक्टरी का निर्माण होने से पूरा इलाका सेम (क्षारीकरण) की चपेट में है। एथेनॉल फैक्टरी का गंदा पानी अगर जमीन में गया तो हजारों एकड़ खेती बर्बाद हो जाएगी। ऊपर से वायु प्रदूषण से आने वाली नस्लें बीमारियों की शिकार हो जाएंगी। यही वजह है कि 15 महीनों से लगातार धरना चल रहा था। हालांकि, आज किसानों के विरोध-प्रदर्शन के बीच फैक्टरी का निर्माण कार्य शुरू हो गया।

चरवाहे की हत्या का खुलासा

भीलवाड़ा। जिले के हमीरगढ़ में चरवाहे की हत्या का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तारभीलवाड़ा जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में बकरियां चराने गए वृद्ध चरवाहे की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या और लूट की वारदात में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है। हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि घटना करीब पांच दिन पहले हवाई पट्टी के पास हुई थी, जब एक वृद्ध चरवाहा अपनी बकरियां चरा रहा था। उसी दौरान बदमाशों ने उसे बंधक बनाकर हाथ-पैर और मुंह कपड़े से बांध दिए। इसके बाद हत्या कर मौके से दो बकरे चुरा ले गए। पुलिस ने शव मिलने के बाद जांच शुरू की और आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले।तफ्तीश में सामने आया कि आरोपी बंधक बनाकर लूट करने वाले गिरोह के सदस्य हैं।

मेयो कॉलेज अजमेर के 150 वर्ष पूर्ण होने पर चार दिवसीय समारोह 27 से

समारोह में कला प्रदर्शनियां, पोलो मैच, विंटेज कार शो, लाईव म्यूजिक आदि कार्यक्रम शामिल

अजमेर। देश के प्रतिष्ठित शैक्षिणक संस्थान मेयो कॉलेज, अजमेर ने इस माह अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूरे किए हैं। इसी उपलक्ष्य में मेयो कॉलेज के हेरिटेज अजमेर कैम्पस में 27 से 30 नवंबर तक भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। इस चार दिवसीय समारोह में विशेष असेंबली, कला प्रदर्शनियां, कपूरिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई एंड रोबोटिक्स का उद्घाटन, हार्वर्ड बनाम मेयो पोलो मैच, विंटेज कार डिस्पले, क्यूरेटेड फैशन शो और सोनू निगम, सलमान अली व युफोरिया के लाइव कार्यक्रम जैसे आकर्षण शामिल होंगे।

समारोह के अंतर्गत, 29 नवंबर को मुख्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रख्यात भारतीय उद्यमी नंदन नीलेकणी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और अपनी उपस्थिति से विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे। स्कूल की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर मेयो कॉलेज जनरल काउंसिल के अध्यक्ष, जोधपुर के एच.एच. महाराजा गज सिंह ने कहा,

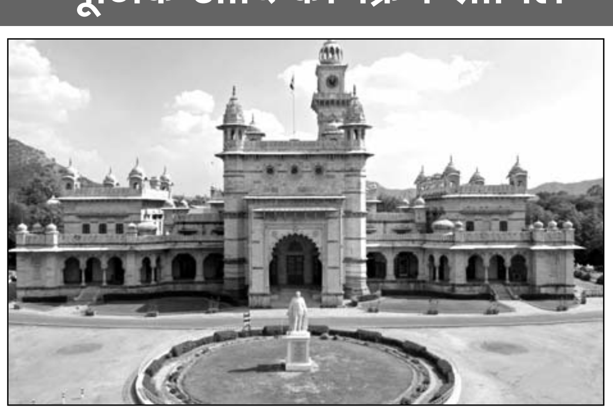

मेयो की स्थापना की 150वीं वर्षगांठ समग्र शिक्षा, सहभागिता और संस्थागत नवीनीकरण का उत्सव है। यह तथ्य कि मेयो न केवल जीवित रहा है, बल्कि डेढ़ सदी से फल-फूल रहा है, संरक्षण और परिवर्तन के बीच संतुलन बनाने की उसकी क्षमता का प्रमाण है। इस अवसर पर मेयो कॉलेज के प्रिंसिपल, सौरव सिन्हा ने कहा कि मेयो के 150 वर्ष पूरे करते हुए हमें गर्व है कि हम देश के अग्रणी लिगेसी स्कूल का हिस्सा हैं। यहां हमारे कुछ ऐसे छात्र हैं जिनके परिवार की छह पीढ़ियां मेयो का हिस्सा रही हैं, वहीं हम विविधता को भी महत्व देते हैं और देश-दुनिया के हर कोने से छात्रों का स्वागत करते हैं। मेयो में शिक्षा अकादमिक उत्कृष्टता, तकनीकी कौशल, खेल, ललित कला, संगीत और थिएटर का संतुलित संगम है।

पिछला वर्ष भी पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया और एलुनाई चैप्टर 150 इयर्स- सेलिब्रेशंस न केवल पूरे भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर आयोजित किए गए। ओल्ड बॉयज़ सोसाइटी (ओबीएस) के अध्यक्ष कर्नल भवानी सिंह और 150वीं वर्षगांठ समारोह के संयोजक हरमीत सिंह के नेतृत्व में, केंद्रित प्रेरणा और निर्बाध योजना के साथ, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए, यूके और यूएई में समारोह आयोजित किए गए। इसी प्रकार भारत में भी, मुंबई, रांची, दिल्ली, चंडीगढ़, उदयपुर, बैंगलोर, कानपुर, पुणे, आगरा, गुवाहाटी, कोटा, अजमेर, कोलकाता, जयपुर, इलाहाबाद, जोधपुर, चेन्नई, अहमदाबाद और इंदौर में समारोह आयोजित किए गए।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1875 में भारत के तत्कालीन वायसराय, लॉर्ड मेयो के विजन से स्थापित यह संस्थान आज भी शिक्षा, अनुशासन और विरासत का प्रतीक बना हुआ है। 150 वर्षों से, मेयो कॉलेज सिर्फ एक स्कूल से कहीं बढ़कर, एक ऐसी विरासत रही है जिसने मूल्यों और चरित्र के माध्यम से पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया है और अपने मोटो: ''लैट देयर बी लाइट'' के साथ आने वाली कई पीढ़ियों तक ऐसा करता रहेगा।

जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने छठे ''राष्ट्रीय जल पुरस्कार- 2025'' 'प्रथम जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी)' में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अलवर जिले का पश्चिमी क्षेत्र जिले की तृतीय श्रेणी में प्रथम स्थान पर चयन होने पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र को राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू की ओर से केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

फैक्टरी द्वारा केमिकल युक्त पानी नहर में डाले जाने का विरोध

बूंदी, (निसं)। अंथडा रोड पर स्थित फैक्टरी द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी नहर में डाले जाने का विरोध क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा लगातार किया जा रहा है। फैक्ट्री द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी नहर में छोड़ने को लेकर एक दर्जन क्षेत्रीय किसानो ने तालेडा उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। किसान नेता पवन श्रृंगी ने बताया कि अंथडा रोड पर स्थित फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी सीएडी की नहरों में छोड़ा जा रहा है, जो फसलों के लिए ही नहीं अपितु पशुओं के लिए भी नुकसानदायक होगा। इससे पशुओं के पीने योग्य पानी और फसलों की सिंचाई का पानी खराब हो रहा है।

फरार हिस्ट्रीशीटर मदिया और प्रशांत के फॉलोवर्स पर पुलिस का शिकंजा

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया का मर्डर करने के मामले में फरार चल रहे बिसाऊ थाने के हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया तथा बदमाश प्रशांत उर्फ पोखर के फॉलोअर्स पर भी पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। झुंझुनूं जिले की धनूरी थाना पुलिस ने श्रीकृष्णपुरा जीत की ढाणी से छह युवकों को तथा मंडावा पुलिस ने भी तीन युवकों दबोचा है। इन युवकों ने हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया, बदमाश प्रशांत उर्फ पोखर समेत अन्य गैंग्स और बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को फॉलो कर रखा था। इसके अलावा धनूरी पुलिस ने तीन नाबालिगों की भी काउंसलिंग कर उनके परिजनों को बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स फॉलो ना करने की हिदायत दी है।

धनूरी एसएचओ सुभाषचंद्र ने

- **धनूरी थाना पुलिस ने छह व मंडावा पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया**

बताया कि झुंझुनूं पुलिस की सोशल मीडिया सेल लगातार बदमाशों और गैंगों के सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर बनाए हुए है। जिन्हें फॉलो करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बदमाशों के आपसी झगड़े में मारे गए हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया तथा डेनिस बावरिया के मर्डर में शामिल मुख्य आरोपी प्रशांत उर्फ पोखर, दोनों ही धनूरी थाना इलाके के जीत की ढाणी श्रीकृष्णपुरा के रहने वाले है, इसलिए गांव में युवकों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। इसी दौरान सामने आया कि गांव के कुछ युवक ना केवल मंदीप उर्फ मदिया, प्रशांत उर्फ पोखर, डेनिस बावरिया, बल्कि अन्य गैंगों और बदमाशों को सोशल मीडिया फॉलो करने वाले छह युवकों रूपेन्द्र पुत्र हरिराम नायक, जोनी पुत्र महेश मीणा, पवन कुमार पुत्र विद्याधर सिंह मेघवाल, अंकित कुमार पुत्र रणजीतसिंह मेघवाल, अनूप कुमार पुत्र रामदेवसिंह जाट व विजयपाल पुत्र रामकुमार मेघवाल को गिरफ्तार किया है। एसएचओ ने बताया कि इन छह युवकों को पूछताछ के लिए लाया गया था, लेकिन पूछताछ में सहयोग ना करने पर और उग्र होने पर इन्हें शांतिभंग की धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। तीन नाबालिगों की काउंसलिंग करके उनके परिजनों को जानकारी दी गई है।

मंडावा एसएचओ रामनारायण चोयल ने बताया कि मंडावा कस्बे के वार्ड नंबर 13 निवासी आबिद शेख पुत्र रसिद शेख, वार्ड नंबर 17 निवासी विकास पुत्र रामकुमार भोपा तथा वार्ड नंबर 12 निवासी दाउद पुत्र अय्यूब शेख को गिरफ्तार किया गया है। तीनों ने सोशल मीडिया पर मदिया समेत अन्य बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को फॉलो कर रखा था। जिन्हें पूछताछ के लिए थाने लाया गया। पूछताछ में सहयोग ना करने पर और उग्र होने पर तीनों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

बृजेश ज्योति उपाध्याय, एसपी, झुंझुनूं ने बताया कि अपराधियों का महिमामंडन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पूरे जिले में 10 दिन का विशेष अभियान आज से शुरू किया गया है।

हत्यारों को सजा दिलाने के लिए अस्सी साल की मां भूख हड़ताल पर बैठी

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के कलेक्ट्रट के बाहर स्व. गणपत सिंह के हत्या के आरोपियों को गिरपतार की मांग को लेकर सर्व समाज का धरना जारी है। पिछले कई महिनों से हत्या का राजफाश नहीं होने से अस्सी साल की

- **15 महीने बाद भी पुलिस हत्या का खुलासा नहीं कर पाई है**

मां स्वयं भूख हड़ताल पर बैठी है, जहां मंगलवार सुबह डॉ. रमेश चौधरी ने मेडिकल चेकअप किया।

जानकारी के अनुसार जालोर जिले के सीकवाडा रोड पर 28 अगस्त 2024 को गणपत सिंह की निर्मम हत्या हुई थी। उनका शव दुकान से 500 मीटर दूर औंधे मुंह कीचड़ में पड़ा मिला था। परिजनों का आरोप है पुलिस ने अब तक किसी भी आरोपी को नहीं पकड़ा। हमें ये ही नहीं मालूम चल पाया कि आखिर हत्या क्यों की गई। किराना व्यापारी के बेटे के हत्यारों को सजा दिलाने के लिए 80 साल की मां कलेक्ट्रेट के सामने दो दिन से धरने पर बैठी हैं। 15 महीने बाद भी पुलिस उनके बेटे के हत्या का

अस्सी साल की मां का डॉ. रमेश चौधरी ने मेडिकल चेकअप किया।

खुलासा नहीं कर पाई है। इससे नाराज किराना व्यापारी के परिजन तीसरी बार धरने पर हैं और इस बार अनिश्चितकालीन भूख हडताल की चेतावनी दी है।

जालोर एसपी शैलेन्द्र सिंह इंदौलिया ने कहा कि मामले में पहले जांच सांचौर सीओ चरण गोपी नाथ कांबले के पास थी। अब जालोर एएसपी मोटाराम गोदारा के पास है। इसमें कुछ पॉइंट पर जांच चल रही हैं। जल्द खुलासा करेंगे।

धरने पर गणपत सिंह की पत्नी भारती कंवर (40), मां हवा कंवर (80), भाई अभय सिंह (54), भाभी प्रकाश कंवर (45), भाभी धीरज कंवर (42) सोमवार से कलेक्ट्रेट के सामने अनिश्चितकालीन भूख हडताल पर बैठे हैं। गणपत सिंह की पत्नी भारती कंवर ने अगस्त महीने में गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिख कर मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी।

प्याज की स्थिति का आंकलन करने केंद्रीय दल अलवर पहुंचा

अलवर, (निसं)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा गठित केंद्रीय दल के अधिकारी उप कृषि विपणन सलाहकार विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय बी.के. पृष्टि, उप निदेशक उद्यान तकनीकी प्रभाग डॉ. बी.डी. निगम, उप निदेशक समन्वित कीट प्रबंधन अर्जुनाल बैरवा, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी मूल्य निगरानी प्रभाग चिराग भाटिया, वरिष्ठ उद्यान अधिकारी ए.के. सिंह ने अलवर के दौरे पर रहकर जिले में खरीफ प्याज की स्थिति का आंकलन करने हेतु भ्रमण किया। इस दौरान केंद्रीय दल के अधिकारियों द्वारा कृषि उपज मंडी सभागार में अधिकारियों, प्याज विपणन से जुड़े व्यापारियों की बैठक ली। बैठक में अधिकारियों ने जिले में खरीफ प्याज के उत्पादन, वर्तमान भाव, भण्डारण इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की तथा व्यापारियों एवं प्याज कृषकों से खरीफ प्याज के भण्डारण एवं भाव सुधार के संबंध में फीडबैक लिया। इसके उपरान्त केंद्रीय दल के अधिकारियों गांवों में प्याज उत्पादक कृषकों के खेतों का अवलोकन कर प्याज उत्पादन से संबंधित विभिन्न समस्याओं के संबंध में चर्चा कर कृषकों को प्याज उत्पादन से संबंधित नवीन तकनीकों को अपनाने का सुझाव दिया।